कबाड़नामा

अंक : 2 दिल्ली के कूड़ा चूनने वालों एवं कबाड़ियों की पत्रिका माह : फरवरी-मार्च 2006

चाहिए-चाहिए-चाहिए

१) लाइसेन्स की जरूरत है,
२) काम के लिए जगह चाहिए,
३) काम करने का अधिकार,
४) इन्जेक्शन चुभने पर दवा चाहिए,
५) बच्चों को पढ़ाने का अधिकार जो कबाड़ियों के परिवार संबंधी हो,
६) कुड़े की छटाई के लिए हाथ में दस्ताना चाहिए,
७) पैर में जुते चाहिए,
८) मुँह में मास्क चाहिए,
९) वर्दी चाहिए, कैप चाहिए,
१०) एक लोहे का सरिया चाहिए कूड़ा बिखराने के लिए,
११) रहने के लिए घर चाहिए,
१२) शौचालय चाहिए,
१३) सब कबाड़ियों के लिए रिक्शा चाहिए,
१४) पीने का पानी चाहिए, और
१५) पुलिस दुर्व्यवहार को समाप्त करना चाहिए।

हाय! ये पढ़ाई

हाय! ये पढ़ाई
न जाने किसने बनाई
मास्टर जी कहते हैं-
बेटा कर लो पढ़ाई
वरना होगी खूब पिटाई
मम्मी कहती हैं-
बेटा कर लो पढ़ाई
तो दूँगी ढेर सी मिठाई
पापा कहते हैं-
बेटा कर लो पढ़ाई
वरना बर्बाद हो जाएगी
मेरी कमाई
हाय! ये पढ़ाई।

सन्तराज मौर्या

हम घर-घर से कूड़ा उठाते हैं

साथियों जैसा कि आप जानते हैं। चिन्तन अब घर घर से कुड़ा उठाने का काम 18 कालोनियों में करता है। जैसा कि हम आपको बता दे कि **N.D.M.C.** की मदद से 1) राजा बाजार, 2) गोल डाकखाना, 3) पंडित पंत मार्ग, 4) गोल्फ लिंक, 5) प्रिसिस पार्क में तथा 6) लोधी कालोनी, अली गंज पालिका निवास, किदवई नगर ईस्ट तथा वेस्ट और लक्ष्मीबाई नगर, सरोजनी नगर, नेताजी नगर, चाणक्यापुरी, मोती बाग, काली बाड़ी मार्ग तथा आर.के. पुरम के काफी सेक्टरों में किया जाता है। अगर आप की एकता तथा **N.D.M.C.** और **M.C.D.** का मदद रहा तो हमारी संस्था दिल्ली के काफी इलाकों में साथियों को काम पर लगा पाएगा। अभी तक घर-घर कुड़ा उठाने वाले कुल 62 साथी लगे हैं। उन 62 लोगों में से 13 लोगों का एक बचत समुह भी है। जो अपने बचत के लिए 50/- रु० प्रतिमाह जमा करते हैं। जिससे वे संकट के समय कर्ज लेते हैं और इस कर्ज को आसान किस्तों में चुकाते हैं।

कूड़े का निजीकरण

दिल्ली नगर निगम ने अब दिल्ली महानगर में कूड़े के रख-रखाव का काम निजी हाथों में सौंप दिया है। अब दिल्ली नगर निगम के छः जोन में कूड़ेदानों से कूड़ा उठाने तथा कूड़ा को लैण्डफिल तक पहुँचाने का काम दिल्ली वेस्ट मैनेजमैंट नामक एक प्राइवेट कंपनी को सौंपा गया है। सरकार के इस कदम के परिणामस्वरूप कूड़े-कबाड़े का काम करने वाले असंगठित क्षेत्र के लाखों मजदूरों के लिए रोजी रोटी का मसला उत्पन्न हो गया है।

हम कबाड़ी साथियों की तरफ से सरकार और नगर पालिका से यह मांग करते है कि 1) कुडें के जिजीकरण में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को उचित स्थान मिलें। 2) सरकार ऐसा कोई निजीकरण न करें जो मजदूरों को बेरोजगार करती है। 3) निजीकरण किन शर्तो पर हुआ है उसकी जानकारी आम जनता को मुहैया करवें।

जय प्रकाश चौधरी

आधी खुशी

आधी खुशी हमारी, आधी ऊँची हवेली का
कबाड़ चुनता घर-घर जाकर डेली वेजीज का
साफ सफाई गली-गली का ये मेरा अभियान
अच्छी बुरी बाते सुनने का होता सवेराविहान
आयेगी खुशबू पूछकर मुक्त होगा शहर
ऐ शहर वालों विचार बदलो मत गली कहर
है आप सभी की इस अभियान में भलाई
रोग मुक्त हो जाओगे खानी पड़ेगी नहीं दवाई
हमको दुश्मन मत समझो हम है सच्चा इंसान
भेद-भाव मत बदलों हम दोनों के एक भगवान
प्राकृतिक वस्तुओं से मत करो अठखेली
आधी खुशी हमारी, आधी ऊँची हवेली।

-छोटे लाल विश्वकर्मा

8 मार्च, 2006 महिला दिवस

चिंतन संस्था के द्वारा महिला दिवस के अवसर पर ई-ब्लाक सीमापुरी में कुड़ा चुनने वाली महिला साथियों के साथ मिलकर महिला दिवस मनाया गया। करीब सौ से अधिक की संस्था में महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की।

कार्यक्रम को अन्य उपस्थित साथियों के अलावा जहाँआरा जो कुड़ा चुनने का काम करती है ने संबोधित करते हुए कहा कि "मैं अनपढ़ महिला हूँ अपने जीवन के बारे में बताती हूँ, महिला होने के बाबजूद कुछ करना चाहिए, मैं अपना कारोबार खुद

ही संभालती हूँ। महिला को इससे पीछे नहीं हटना चाहिए, हमें बच्चों के भविष्य के लिए काम करना चाहिए। बच्चों को काम पर लगाने के बजाए हमें खुद काम करना चाहिए, जिससे वह पढ़ लिख कर कुछ बन सकें, हमें आदमी का धौंस न सुनने के लिए खुद अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए।"

कार्यक्रम अपने आप में अनुठा था। तुलसी कौर जो स्वयं कुड़ा चुनने का काम करती है उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि "हमें क्या पता था कि महिलाओं के लिए भी कोई दिन होता है।"

चितंन की ओर से कार्यक्रम को लावण्या मारला, अभय रंजन, कमला उपाध्याय, शशि भूषण पंड़ित और दूसरे साथियों ने भी संबोधित किया।

आप हमें निम्न पते पर अपने सुझाव एवं लेख भेज सकते हैं : चिंतन, दुसरी मंजिल, 252 सिद्वार्थ इन्कलेव, नई दिल्ली-110014 फोन : 011-26348823-24